

Transfluthrin 12% w/w (AE) AEROSOL

4 SPRAY SHOTS
FOR 4 CORNERS
OF THE ROOM

**ULTIMATE
PROTECTION
FROM MOSQUITO**

Manufactured By:

sujanil chemo industries

P.O. Box No. 1451, Market Yard, Pune - 411037, Maharashtra.
FACTORY : 69, Wanawadi Indl. Area, Pune - 411040, Maharashtra.

www.sujanil.com

CONSUMER HELPLINE: MANAGER CONSUMER AFFAIRS:
PO BOX NO. 1451, Pune-411037, Maharashtra

Ph.: 020-24270228, Email: sales@sujanil.com

Transfluthrin 12% w/w (AE) AEROSOL
Recommendations: Recommended for the control of adult
mosquitoes and houseflies in household premises.
Chemical Composition: Transfluthrin (a.i.) 12.00 % w/w
Perfume 00.10 % w/w Propellant (L.P.O) 60.00 % w/w
Hydrocarbon Solvent Q.S. % Total 100.000 % W/W

Direction of Use : Transfluthrin 12% w/w Aerosol

Shake the can well before use. Before using the can for the first time, spray 3 times to prime the actuator. Hold the can upright and direct the spray upwards. Spray once in each of the four corners of an average-sized room of approximately 30 m³. The product provides protection from adult mosquitoes and houseflies for a period of 12 hours. **Precautions :** Use only as directed. Keep out of reach of children. Avoid excessive inhalation of the spray mist and direct contact with the skin and eyes. Do not store with, or spray on or over, food and beverages. The container is pressurised. Do not drop it. Do not open the can forcibly, puncture it or incinerate it, even when empty. Do not expose the container to direct sunlight or temperatures exceeding 50°C. Do not spray into an open flame or onto hot surfaces. Do not store the aerosol can in an enclosed space, such as the glove compartment of a car. Dispose of the empty container safely. **Symptoms of Poisoning:** Vomiting, diarrhea, abdominal pain, nausea, salivation, dizziness, blurred vision, headache, convulsions, tremors and ataxia may occur. **First Aid:** In case of poisoning, contact a doctor immediately and show the can for ingredient details. **1. If Ingested:** Do not induce vomiting unless directed by the attending doctor. Seek medical attention within one hour of ingestion. If the patient is conscious and alert, rinse the mouth with water and give one or two glasses of water to drink. **2. In case of eye contact:** Rinse the eyes continuously with clean water for 15 minutes. If pain, irritation or redness persists, consult an eye specialist. **3. If inhaled:** Move the patient to an open, well-ventilated area and make the patient lie down comfortably. If the patient is not breathing, provide artificial respiration and call a physician immediately. **4. In case of skin contact:** Remove contaminated clothing and wash the affected skin thoroughly with soap and water for 15-20 minutes. If irritation persists, consult a physician. **Antidote :** Treat symptomatically. **Storage and Disposal:** Keep in a cool, dry place away from heat and open flame. Protect from direct sunlight and temperatures exceeding 50°C. Keep out of reach of children and away from food and beverages. Do not puncture or incinerate the container, even when empty. Dispose of the empty container safely. **Caution:** Recommended for controlling adult mosquitoes and houseflies. Not to be used on crops other than those specified on this label/leaflet.

Manufactured By

Sujanil Chemo Industries
Bharati, 425/27, T.M.V. Colony, Opp. Kataria High School,
Pune, Maharashtra 411037

दॉसपूजलिङ १२% भार/भार (ए.ई.) एरोसोल उपयोग: घरेलू परिवारों में वयस्क चक्करों और घरेलू मक्खियों को नियंत्रण के लिए अनुशिक्षित। रासायनिक सामग्री: दॉसपूजलिङ ६०.०% (म.प.) १२.००% भार/भार/सूक्ष्म ००.१०% भार/भार प्रोपेलेंट (ल.प.जी.) २८.००% भार/भार हाइड्रोकार्बन सॉल्वेंट पर्याप्त मात्रा १०% १००.०००% भार/भार उपयोग: **येद दिशा निर्देश:** दॉसपूजलिङ १२% भार/भार एरोसोल उपयोग करने से पहले केंद्र को अच्छी तरह हिलाएँ। पहली बार केन का उपयोग करने से पहले, एचयूटर को सीधे केन के लिए ३ बार से ऊपर करें। केन को सी-पेज्डें और को से ऊपर की ओर निशिका करें। लगभग ३० m^२ के औसत कमरे के कमरे के सारों को भी एक-एक बार से करें। यह उपाद वयस्क चक्करों और घरेलू मक्खियों से १२ घंटों तक सुरक्षा प्रदान करता है। **पूर्वोपाय:** निर्देश के अनुसार उपयोग करें। बच्चों की पहुँच से दूर रखें। बच्चों की धूध को अवशोषक में लेने तथा बच्चों और आँखों के सीधे संपर्क से बचाएँ। खाद्य पदार्थों और पेय पदार्थों के साथ धन्यराग में तथा तब तक ऊपर या दबाएँ जब तक कि वे नहीं कंटेंटें देनावयुक्त। इससे मिटाएँ नहीं। केन को जबरदस्ती नहीं खोलें, उसमें डेड न करें और खाली होने पर भी उसे न जलाएँ। कंटेंट को सीधे सूई सूक्ष्म या ५०°C से अधिक तापमान के संपर्क में न रखें। खाली गुंथन गुंथन गर्म सतहों पर से न करें। एरोसोल केन को किसी दबाव, उच्च ताप, उच्च कार के तत्व कमजोर करने में रखें, खाली डिब्बे को सुरक्षित तरीके से नष्ट करें। **व्यक्तिगत कल्याण:** उर्दू, त्वरित, दस्त, पित्ती, तला आना, चक्कर आना, धुंधला दृष्टिकोण। दस्त, सिर्दर, आश्रय, कपन और गतिमान हो सके हैं। **प्राथमिक चिकित्सा:** विषाक्तता की स्थिति में तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें। अगर धड़कनों की जानकारी से लिए उन्हे केन दिखाएँ। **१. निरुपन पर:** जब तब उपस्थित डॉक्टर निर्देश न दें, उर्दू न करें। मिगलने के एक घंटे के भीतर चिकित्सकीय सहायता प्राप्त करें। यदि रोगी होश में आकंधें हैं, तो उसका मुँह पानी से कुल्ला करें। और पीपी के लिए एक या दो गिलास पानी दें। **२. आँखों के संपर्क में आने पर:** आँखों को लिए एक पानी से लगातार १५ मिटर तक धोएँ। यदि दस्त, जलन या लालिमा बनी रहती है, तो तब निवेशन से परामर्श करें। **३. साँस में जाने पर:** रोगी को खुले और अच्छे तरह हवादार स्थान पर ले जाएँ। तथा आमतान से हिलाएँ। यदि रोगी साँस नहीं ले रहा है, तो क्षीम द्रव्यन पर तुरंत डॉक्टरों को बुलाएँ। **४. त्वचा के संपर्क में आने पर:** दूधित अच्छे तब उतर दें और भाषावित त्वचा को साबुन और पानी से १५-२० मिटर तक अच्छी तरह धोएँ। यदि जलन बनी रहती है, तो डॉक्टर से परामर्श करें। **प्रतिरोधक:** लगभग के अनुसार उपचार करें। **भंडारण और उपयोग:** ठंडी और खुली जगह पर बर्बाद और खुली आना से दूर रखें। सीधे सूई के प्रवेश और ५०°C से अधिक तापमान से बर्बाद। बच्चों की पहुँच से तथा खाद्य और पेय पदार्थों से दूर रखें। खाली होने पर भी कंटेंटें में डेड न करें और उसे न जलाएँ। खाली डिब्बे को सुरक्षित तरीके से नष्ट करें।

उपयोग: घस्यती परसरातिनी बड्ठ डसा आणि घमरायांश्या निवेगनासाती शिफारस केलेले. रासायनिक संघटन वायुमार्ग (स.त.) 12.00% भार/भार, सुमध 00.10% भार भार प्रोपेलेंट (एल.पी.जी.) 60.00% भार/भार हायड्रोजनसर्पे संल्लेष्ट पुरेसे पाण्या एवणा 100.000% भार/भार

वापरसाती निष्ठा निर्देश: वायुमार्गसुष्ठुनि 12% भार आणेर सोरोलो वापरपासुगीनी केंत चालावा हलाच. कांसा प्रमथम वापर करसालीं, अंक्चुरएव संक्षिप करसाली 3 वेळा सेका. केंत सरस डसा आणि सेठव्या शिशि निर्देशित करा. सुमारा 30 म³ आकाराच्या सुमारी खोलीच्या चारी कोपांमध सुलेकी पकदा सेका. हे उपउदर प्रौढ डसा आणि घमरायांश्यासु 12 तासांपुरी संरक्षण प्रदान केले. **खबरदारी:** निर्देशानुसार वापरा. मृत्तुच्या आवाक्याबाहेर डसा. सेचन केलें अत्यधिक प्रमाणात श्वासार्द्रता आत घेतले तत्वा आणि डोळ्यांवर देत संकट कोटा. अन्नपदार्था आणि पयोसांत साळु नका तसेच ल्यांच्यार किं ल्यांच्या आगपास सेक नका. केंतनेतर दाबुकोट पाहू नका. कोटा पिका केंत जबरदस्तानी उड्डू नका. किंवा लिह पडू नका आणि रिकामा असतानाही उड्डू नका. केंतनेतर येत सुर्व्याकालास लक्षा 60% पेक्षा जास्त तापमानाच्या संपर्कनेट उड्डू नका. उड्डाज जलेवर किंवा गरम छुंणवापर सेक नका. सोरोस केंत बंदित जागेत, जतन करायो गळीक कामधर्मियेवणें, ठेवू नका. रिकाम्या डोळ्यां सुस्तिपाणे विव्हेल्ले लावा. **विवाधायेची लागणे:** उलटी, जडण, पोडवळें मळामळ, लाळ उडणे, चक्कर येणे, अस्पष्ट दिसणे, डोळेकुडी, आकडी, केंप आणि मतिविसंगती होऊ शकते. **प्रथमोपचार:** विवाधाया झाल्यास तेंत उलटसरें संकट सांभा आणि घडकत्या मातीतलोसा केंत दाबूच. **1. ग्लोबलस** उपस्थिति डोळ्यांनी निशेंद दिवल्याबिधा उलटी करूच नका. **2. ग्लोबलस** आणि तसच आत वेढीक मीठ घ्याय. रुग्ण सुडोवर आणि सर्कस असल्यास, त्या तोंड पाण्याचें धुतूच पिण्यासाठी एक किंवा दोन नमिणें घ्या. **3. डोळ्यांवर** आणि **सर्प** आगपास: डोळे स्वच्छ पाण्याने सलग 15 नमिणें धुवा. वेदना, जळजळ किंवा लालसरपणा कायम राहिल्यास नेत्रजड्यांचा सरला घ्या. **3. श्वासार्द्रता** आणि **रुग्णाला:** रुग्णाला मोलक्या क्रिया आणि शरीराची घेवजत जाव आ आरामा होवत आणें रुग्ण श्वास वेत नसल्यास कृत्रिम श्वास जाव आणें निशेंद डोळ्यांनी बोलवा. **त्वचशेरी संकट** आगपास: दूबित करणे काढून आणित तत्वा सांभा आण पाण्याने 15-20 नमिणें चाली घ्या. जळजळ कायम राहिल्यास विव्हेल्ले घ्या सरला घ्या. **प्रतिषेध:** लग्नांनुसार उपचार करा. **साठवण** आणि **विक्रीदार:** थं आणि कोरड्या जागी उमणाव आ उड्डाज जलेमधुसुठू दूवा. येत सुर्व्याकाला आ 50% डसा जास्त तापमानासु सुखिष्ट देवा. मृत्तुच्या वायुमार्गापासु नसे अन्नपदार्था आणि पेषापासु दूर ठेवा. रिकामा असतानाही केंतनेतर लिह पडू नका आणि तो जाळू नका. रिकाम्या डबाच्या सुस्तिपाणे विव्हेल्ले लावा.

निर्मात:
सुमार्गानी केमो इंंडस्ट्रीज
भारती, 425/27, टी.ए.ए.डी. कॉलनी, कंठारिया हायस्परलसमोर, पुणे,
महाराष्ट्र-411037

ઉપયોગ: ઘરગથ્થુ પરિસરમાં પુનઃ મછરો અને ઘરમાખીઓના લિંગવંશ માટે ભલામણ કરેલ. રાસાયણિક સંયોજન ટ્રાન્સ-હીલ્ડ્રાઈન (શત.ત. 12.00% ભાર/ભાર લુગુન 00.10% ભાર/ભાર પ્રોપેન્ટ (એલ.બી.ઈ.) 60.00% ભાર/ભાર હાઈડ્રોફોર્મીલ સોલ્યુશન પરિણત 12% ફ્લુ 100.000% ભાર/ભાર

ઉપયોગમાં પહેલાં દિશાનિર્દેશ: ટ્રાન્સ-હીલ્ડ્રાઈન 12% ભાર/ભાર એરોસોલ ઉપયોગ કરતા પહેલાં તેને રીડી હલાવો. પ્રથમ વખત કંને ઉપયોગ કરી પહેલાં એક-એકરેસને સક્રિય કરવા 2 વખત એ કરો. (કેને સીધું પકડી મારીને ઉપરની તરફ કરો). આશરે 30 તા''ના સરેરાશ કદના એરોસોલ ચાલે ખુલાસા એક-એકરેસના આપે. આ ઉપાવન પુનઃ મછરો અને ઘરમાખીઓથી 12 કલાક સુધી રક્ષણ આપે છે. **સાવચેતીઓ:** નિર્દેશ અનુસાર ઉપયોગ કરો. બાકાતો પહેલાંથી દુધ રાખો. સૌથી ધુમ્મસનો વય પડતો સામાન્ય પ્રવેશ તથા તલ્લી આપે. સૌથી સાથે સીધો સંપર્ક કરો. ખાદ્ય પાણી અને પીણા સાથે સેનક કરશો નહીં તેમની ઉપર અથવા આસપાસ એ કરશો નહીં. કંનેને દબાવણુસુત્ર નહીં. તેને માલ નહીં. કેનેને બજારખેરી ખોલો નહીં. માલે છિદ્ર કરશો નહીં અને ખાલી થાણે વચ્ચે પણ તેને સળગાવશો નહીં. કંનેનરને સીધા સુર્યપ્રકાશ અથવા 50''થી વધુ તાપમાનના સંપર્કમાં રાખશો નહીં. ખુલ્લી જગ્યાએ અથવા ગરમ સારી વાયુ પર એકર નહીં. એરોસોલ કેનેને કાગળ અથવા કમ્પાઈમેટેડ જેવી બધે જગ્યામાં રાખશો નહીં ખાલી ડબ્બાઓ સુરક્ષિત રીતે નિકાલ કરો. **સૌથી અસરકારક નિકાલ રીતી,** ઝાડ પોટા દબાવો, ઉલ્કા, લાલ આવલ, કાકડા અથવા, અંગૂઠા દેખાવું. માથાના દબાવ અકાંટી, કુપારી અને ગતિકારકોના પકડા અથવા થઈ શકે છે.

પ્રાથમિક અસરકારક રીતે અસરગી સ્થિતિમાં તાલકાલિ કોલ્ટરનો સંપર્ક કરો અ ઘટ્ટાની માઈલ્ટી મારે તેને કાઢી દેવો. **1.ગળી જગ્યાઓ:** સારવ આસપાસ ડોલ્ટર સુધાન ન અખે વાંચી જગ્યાઓ છિદ્ર કરાવશો નહીં. જોની જગ્યાના કે કલાની અંદર તલ્લી સક્રિય મેળવી. જો દર્દી ભાભામાં અને સાર્ક હોય તો તેનું મુંખ પાણીથી કોળાગ કરાવે અને પીણા માટે અંદરના બે વાસા પીણા સુધી પહોંચાવો. **2. આંખોના સંપર્કમાં આવનારા કિસારામાં:** આંખોને ચરતાં 15 મિનિટ સુધી સ્વચ્છ પાણીથી ધુવો. દુખાવો. બનાતર આંખોમાં લાલશા વગર તે ઓખના પાણીમાં સલાહ લો. **3. શ્વાસમાં વગરના કિસારામાં:** દર્દી ખુલ્લી અને સારી રીતે હવા લેતો હોય તો કુદરતી મેળવણી કરવો અને આશામયો સુવાવો. જો દર્દી શ્વાસ અચોખ્ખો, તો કુદરત મેળવણી આપે અને તરત જ કોલ્ટરને નિકાલ કરો. **4. ત્વચા સંપર્કમાં આવનારા કિસારામાં:** ક્ષિત કરવા (ગરમી દોર) અને અસરકારક વાયુ સારું તથા પાણીથી 15-20 મિનિટ સુધી સાફી રીતે ધુવો. બનાતર વાયુ કોલ્ટરને સલાહ લો. **પ્રતિલાપ:** જગ્યાઓ અચોખ્ખો કરવો. **સંક્રાંધ અને નિકાલ:** દર્દી અને સૌથી જગ્યાએ ગરમી તથા ખુલ્લી જગ્યાઓ દુધ રાખો. સીધા સુર્યપ્રકાશ અ 50''થી વધુ તાપમાનથી સુરક્ષિત રાખો. બાલકોની પહેચળી તથા ખાદ્ય પદાર્થો અને પીણાથી દૂર રાખો. ખાલી થાણે ત્યારે પણ કંનેનરમાં છિદ્ર કરશો નહીં તેને સળગાવશો નહીં. ખાલી ડબ્બાનો સુરક્ષિત રીતે નિકાલ કરો.

ઉપદેશ:
 સુગમીની બેઠાં ઓ-કુદરતી
 ભારતી. 425/27, ટી.એમ.બી. કોલોની, કાર્તાયા હાઈડ્રોક્યુલની સામે,
 પુણે, મહારાષ્ટ્ર - 411037

ગુજરાતી / GUJARATI

[illegible]

ENGLISH

புரான்ஸ்சுப்ஹந்தரின் 12% எஸ்டேட் (ஏ.எ.) ஏரோசாஸ் பஸ்ஸுக்கு; வீட்டு வளாகங்களில் முதிர்ந்த கொக்கிகள் மற்றும் வீட்டு ஈக்களைக் கட்டுப்படுத்தப் பரிந்துரைக்கப்படுகிறது. இரோசாஸ்க் கல்வை; புரான்ஸ்சுப்ஹந்தரின் (பெயல் மூலப்பொருள்) 12.00% எஸ்டேட் நுழைமனம் 00.10% எஸ்டேட் உத்துவாயு (எல்.பி.இ.) 60.00% எஸ்டேட்/எஸ்டேட் ஹைட்ரோகார்பன் காரைப்பான் தேவையான அளவு % பொந்தம் 100.000% எஸ்டேட்/எஸ்டேட்.

பயன்பாட்டிற்கான வழிமுறைகள்: புரான்ஸ்சுப்ஹந்தரின் 12% எஸ்டேட்/எஸ்டேட் ஏரோசாஸ் பயன்பாட்டுதலுக்கு முன்பு கேனை நன்றாகக் குறுக்கவும். கேனை முதல் முறையாகப் பயன்படுத்துவதற்கு முன்பு, ஆக்ஸலேட்ரைச் செயல்படுத்த 3 முறை ஸ்ப்ரே செய்வும். கேனை நேராகப் பிடித்து, ஸ்ப்ரேவை வெல்ரோக்கிச் செலுத்தவும். ஏறத்தாழ 30 மீ சராசரி அளவுகள் அறையின் நான்கு முகவளவியும் தலா ஒருமுறை ஸ்ப்ரே செய்வும். இந்தத் தயாரிப்பு முதிர்ந்த கொக்கிகள் மற்றும் வீட்டு ஈக்களிலிருந்து 12 மணிநேரம் வரை பாதுகாப்பு அளிக்கிறது.

முன்னெச்சரிக்கைகள்: வழிமுறைகளின்படி பயன்படுத்துவதும், குழந்தைகளுக்கு எட்டாதவாறு வைக்கவும். ஸ்ப்ரே மூப்பினியை அகிமாகச் சுவாசிப்பதையும், தோல் மற்றும் கண்களுடன் நேரடித் தொடர்பு ஏற்படுவதையும் தவிர்க்கவும். உணவு மற்றும் பாணங்களுடன் சேமிக்க வேண்டாம்; அவற்றின் மீதோ சுற்றிலோ ஸ்ப்ரே செய்ய வேண்டாம். கொள்கைகள் அழுத்தமுட்பட்டது. அதைக் கீழே போட வேண்டாம். கேனை வலுக்கடாயமாகத் திறக்கவோ, துளையிடவோ அல்லது காலியான ஹோம் எரிக்கவோ வேண்டாம். கொள்கைகள் நேரடித் குழியு ஒளி அல்லது 50°C-க்கு மேற்பட்ட வெப்பநிலைக்கு உட்படுத்த வேண்டாம். திறந்த நெருப்பு அல்லது குளாஸ் மேற்பாப்புகளின் மீது ஸ்ப்ரே செய்ய வேண்டாம். ஏரோசாஸ் கேனை காரின் கையுறாப் பெட்டி போன்ற மூடப்பட்ட இடத்தில் வைக்க வேண்டாம். காலியான டப்பாவைப் பாதுகாப்பாக அகற்றவும். **நச்சுத்தன்மையின் அறிவுறுகள்:** வாந்தி, வயிற்றுப்போக்கு, வயிற்றுலா, குமட்டல், உமிழ்நீர் சுரத்தல், தசைச்சுற்றல், மங்கலான பார்வை, தலைவலி, வலிப்பு, நடுக்கம் மற்றும் இயக்க ஒருக்கிலானப்பின்மை ஏற்படலாம். **முதலதின்:** நச்சுத்தன்மை ஏற்பட்டால் உடனடியாக மருத்துவரைத் தொடர்புபிடிக்கவும். மூலப்பொருட்களின் விவரங்களுக்குள் அமரலும் கேனைக் காட்டவும். 1. **விடுபடுகின்ற:** சிசிச்சை அளக்கும் அருத்துவர் அறிமுகத்தாகவரை வாரதிரைத் தூண்டு. வேண்டாம். விடுபடுகிய ஒரு மணிநேரத்திற்குள் மருத்துவ உதவியைப் பெறவும். நோயாளி தினைவுடனும் விழிப்புடனும் இருந்தால், வரையத் தண்ணீரால் கொப்பளிக்கச் செய்து குடிக்கு ஒன்று அல்லது இரண்டு பம்ளர் தண்ணீர் கொடுக்கவும். 2. **கண்களில் பட்டால்:** கண்களைச் சுத்தமான தண்ணீரால் தொடர்ந்து 15 நிமிடங்கள் கழுவவும். 3. **எரிச்சல் அல்லது சிவத்தல் நிகழ்தால்:** கண் மருத்துவரை அணுகவும். 4. **கவர்பித்தல்:** நோயாளியைத் திறந்த, நன்கு காற்றோட்டமான இடத்திற்கு அழைத்துச் சென்று வந்தியாப்புப் பிடிக்க வைக்கவும். நோயாளி சுவாசிக்கவியலாத ஏனாலும் செருமிக் கவரல் அளித்து உடனடியாக மருத்துவரை அழைக்கவும். 4. **தோலில் பட்டால்:** மாளத்தாக உடனாக அகற்றி, பாதிக்கப்பட்ட தோலை சோப்பு மற்றும் தண்ணீரால் 15-20 நிமிடங்கள் நன்றாகக் கழுவவும். எரிச்சல் நிகழ்தால் மருத்துவரை அணுகவும். **மாற்று மருந்து:** அறிவுறுகளுக்கேற்ப சிசிச்சை அளிக்கவும். **சேமிப்பு மற்றும் அகற்றுதல்:** குளிர்ந்த, உலர்ந்த இடத்தில் வெப்பம் மற்றும் திறந்த நெருப்பிலிருந்து விளக்கி வைக்கவும். நேரடி குழியு ஒளி மற்றும் 50°C-க்கு மேற்பட்ட வெப்பநிலையிலிருந்து பாதுகாக்கவும். குழந்தைகளுக்கு எட்டாதவாறு உணவு மற்றும் பாணங்களுடன் விடுபடும் வைக்கவும். காலியாக இருந்தாலும் கொள்கைகள் துளையிடவோ எரிக்கவோ வேண்டாம். காலியான டப்பாவைப் பாதுகாப்பாக அகற்றவும்.

தயாரிப்பாளர் : கஜனலி செமோ இன்டஸ்ட்ரீஸ் பாரதி, 425/27, டி.எம்.வி. காலனி, கட்டாரியா உயர்நிலைப் பள்ளி எதிரில், புதின, மகராஷ்டிரா - 411037

சுயிர் / TAMIL

[illegible][illegible][illegible]

কন্নড় / KANNADA

ট্রান্সফ্রুইন ১২ ভাঃ/ভাঃ (এ.ই.) আরোসাল

ব্যবহার: গৃহস্থালি প্রাক্লেপ পূর্ণবর্ষাক মন্য ও ঘরের মাঝি নিমন্ত্রণের জন-
সুপানিক কাজ হয়েছে। রাসায়নিক সংনিষ্টপন ট্রান্সফ্রুইন (নিষ্ক্ৰিয় উপাদান
১২.০০% ভাঃ/ভাঃ সুদৃষ্টি ০০.১০% ভাঃ/ভাঃ প্রোপোলাক্স) (নিষ্ক্ৰিয় উপাদান
৬০.০০% ভাঃ/ভাঃ হাইড্রোক্যানন সলভেন্ট) খাঁপু পৰিমাণ ৫০ মেলি
১০০.০০% ভাঃ/ভাঃ

ব্যবহারের নির্দেশাবলি: ট্রান্সফ্রুইন ১২ ভাঃ/ভাঃ আরোসাল
ব্যবহারের আগে ক্যানিটি ভালোভাবে ব্রাশিয়েন নিন। প্রথমবার ক্যান-
ব্যবহারের আগে, অ্যাকুয়েটরের সঠিক কার্যর জন্য ৩ বার স্প্রে করুন
ক্যানিটি সোজা করে বের স্প্রে ওপরের দিকে নির্দেশ করুন। প্রায় ৩০ m^২
আকারের ঘরের চারটি কোণে একবার করে স্প্রে করুন। এবং পণ-
পূর্ণবর্ষাক মন্য ও ঘরের মাঝি থেকে ১২ ঘন্টা পর্যন্ত সুবুকা প্রদান করুন
সতর্কতা: নির্দেশ অনুযায়ী ব্যবহার করুন। শিশুদের নাগালের বাইরে রা-
খ। অতিরিক্ত স্প্রে-কুয়াশা শ্বাসের সঙ্গে গ্রহণ করা এবং ত্বক ও চোখের সং-
স্পর্শের সতর্কতা এড়িয়ে চলুন। খাদ্যাসায়নি ও পানীয়ের সঙ্গে সরেক-
করবেন না এবং সেগুলোও ওপর বা আশপাশে স্প্রে করবেন না। পাচ-
করুন। এটি ফেলুন দেবেন না। ক্যানিটি কার্যের করে খুলবেন না, তাতে দি-
করবেন না। খালি থাকলে ও পোড়ানো যাবে না। পরাষ্ট্র সারসারি সুগন্ধে
বা 50°C-এর বেশি তাপমাত্রায় সংস্পর্শে রাখবেন না। মেলা আগুন বা গ-
পুঙ্খের ওপর স্প্রে করবেন না। আরোসাল ক্যানিটি গ্লাসের গ্ল-
কুপার্টামেন্টের মধ্যে কোনো বস্তু স্থাপন রাখবেন না। খালি ক্যান-
নিরাপাদভাবে নিষ্পত্তি করুন। **ব্যবহারের লক্ষণ:** বমি, ডায়ারিয়া, পেটব্যথা
বমি বমি ভাব, লালান বাহ্য, মাথা ঘোরা, হাসপাতালে, মাথাব্যথা, যিচু-
কিপুনি এবং চলাফেরার সমস্যাযুক্ত হওয়া দিতে পায়ে। **প্রারম্ভিক
চিকিৎসা:** বিরক্তিতা ঘটেলে অবিলম্বে চিকিৎসকের সঙ্গে যোগাযোগ কর-
এ এবং উপাদানগুলোতে তথ্যের জন্য তাক্য ক্যানিটি দেখান। **১. গিলে ফেলুন:**
চিকিৎসককে চিকিৎসক নির্দেশ না দেওয়া পর্যন্ত বমি করবেন না। গি-
ফেলার এক ঘটীর মধ্যে চিকিৎসা সহায়তা নিন। রোগী সচেতন ও স-
হায্য পানি দিয়ে বাষু পানি দিয়ে কুলুচটি কার্যের পান করুন জন্ম এক বা
গ্লাস পানি দিয়ে **২. চোখের সংস্পর্শে:** পেরিয়ার পানি দিয়ে একটানা
মিথিলি চোখ ধুয়ে ফেলুন। বাষু, জ্বালা বা লালভাব অব্যাহত থাকলে
বিশেষজ্ঞের পরামর্শ নিন। **৩. শ্বাসের সঙ্গে গ্রহণ করলে:** রোগীকে খো-
এ এবং ভালোভাবে বাষু ভালান করে এমন ঘরে নিয়ে গিয়ে আরাম
করুন দিন। রোগী খালি পানি লিয়ে কৃত্রিম শ্বাসপ্রশ্বাসের এবং অক্সি-
জেন চিকিৎসককে ডাকুন। **৪. ত্বকের সংস্পর্শে:** দূষিত পেশাখ
ঘুয়ে এবং অত্যাধিক ত্বক ধাকচা ও পানি দিয়ে ১৫-২০ মিনিট ভালোভাবে
ধুয়ে ফেলুন। জ্বালা অব্যাহত থাকলে চিকিৎসকের পরামর্শ নিন।
প্রতিষেধক: উপর্য উপর্যায়ী চিকিৎসা করুন। **সংরক্ষণ ও নিষ্পত্তি:** ঠা-
ও শুষ্ক স্থানে তালপে এবং খোলা আনুন থেকে দুই বছর রাখুন। সারসারি সুগন্ধে
এবং 50°C-এর বেশি তাপমাত্রায় থেকে সুবুদ্ধিত রাখুন। শিশুদের নাগালে
বাইরে এবং খাদ্যাসায়নি ও পানীয় থেকে দুই বছর রাখুন। খালি থাকলে
পর্যাপ্ততৈ ছিদ্র করবেন না এবং সেটি পোড়ানো যাবে না। খালি ক্যান-
নিরাপাদভাবে নিষ্পত্তি করুন।

প্রস্তুতকারক:
সুপ্রাণালি কেমো ইন্ডাস্ট্রিয়াল
ভারতী, ৪২৫/২৭, টি.এ.ইচি. কলেমি, কাটারিয়া হাইস্কুলের সামনে,
পুনে, মহারাষ্ট্র - ৪১১০৩৭

বাংলা / BENGALI